सी.बी.एस.ई.

प्रश्न-पत्र-2025

हिन्दी (आधार) कक्षा-XII

(हल सहित)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।

(ii) **खंड—'क'** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) **खंड—'ख'** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) **खंड—'ग'** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(v) तीनों खडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(vi) यथासंभव तीनों खडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Outside Delhi Set-1 **2/2/1**

खंड-'क'

(अपठित बोध) [18]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— [10]

इतिहास से विरासत में हमें 'भारतीय संगीत' जैसी अमूल्य निधि मिली है। अन्य देशों के संगीत की अपेक्षा इसकी विशेषता हमारे पूर्वजों की मान्यता के आधार पर है। भारत में संगीत क्षणिक आमोद-प्रमोद या अतृप्त तृष्णा की वस्तु न होकर, समस्त ब्रह्मांड से ऐक्य का आभास है, आनंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना है। मानव को ब्रह्म तक ले जाने वाला मार्ग है। संगीत के इस स्वभाव और ध्येय को हमारी सभ्यता के प्रारम्भ में ही हमारे देश के लोगों ने पहचान लिया था और इसका विकास इन्हीं आदर्शों के अनूकूल किया गया था। भारतवासियों के संगीत-प्रेमी होने की बात का उल्लेख मैगस्थनीज़ भी कर गए हैं। दूसरी शताब्दी ई.पू. में उन्होंने 'इन्डिका' नामक अपने ग्रंथ में लिखा है कि 'सब जातियों की अपेक्षा भारतीय लोग संगीत के कहीं अधिक प्रेमी हैं।'

सहस्त्रों वर्षों से हमारे घरेलू और सांसारिक जीवन में सभी काम किसी न किसी प्रकार के संगीत से आरम्भ होते हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक यह संगीत हमारे साथ बना रहता है। नामकरण, कर्णच्छेदन, विवाह इत्यादि में तो संगीत होता ही है। साथ ही ऐसा कोई तीज-त्योहार नहीं होता जिसमें संगीत न हो। घर में ही क्यों, हमारे यहाँ तो खेत में, चौपाल में, चक्की चलाने में और धान कूटने के समय भी संगीत चलता ही रहता है। यह हमारे जन-जीवन के उल्लास को प्रकट करने का प्रभावी साधन है ही, साथ में उसको गतिमान बनाने का भी प्रबल अस्त्र है। संगीत रचनात्मक कार्यों में अग्रसर होने की सामूहिक स्फूर्ति और प्रेरणा प्रदान करता है और वह सामूहिक शक्ति देता है, जो हमें उन कार्यों को करने योग्य बनाता है जो अकेले या समूह में संगीत की प्रेरणा के बिना नहीं कर पाते।

(i) संगीत वह अमूल्य निधि है जो— **1**

(A) मानव को ब्रह्म तक ले जाने का मार्ग है।

(B) अतृप्त साधनों की पूर्ति में सहायक है।

(C) हमारे लक्ष्य पर पहुँचने का मार्ग है।

(D) कुछ ही लोगों के लिए सुखकारक है।

(ii) संगीत के प्रभाव को भारतीयों ने कब पहचाना? **1**

(A) हमारी सभ्यता से भी पहले

(B) हमारी सभ्यता के प्रारम्भ में

(C) यूनानी सभ्यता के आगमन पर

(D) सृष्टि की रचना होते ही

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़कर सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— 1

कथन : संगीत जन-जीवन के उल्लास को प्रकट करने का प्रभावी साधन है।

कारण : हमारे सभी कार्य किसी न किसी प्रकार के संगीत से आरम्भ होते हैं।

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) भारतीय जनमानस में संगीत की क्या महत्ता है? किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

(v) 'संगीत जीवन-पर्यंत हमारे साथ बना रहता है'— किन्हीं चार उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए। **2**

(iv) रचनात्मक कार्यों में संगीत की भूमिका को स्पष्ट करने वाले दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

(vii) गाँवों में संगीत की लोकप्रियता को प्रकट करने वाले दो उदाहरणों का उल्लेख कीजिए। **1**

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 8

नक्शे में जंगल हैं पेड़ नहीं
नक्शे में नदियाँ हैं पानी नहीं
नक्शे में पहाड़ हैं पत्थर नहीं
नक्शे में देश है लोग नहीं
समझ ही गए होंगे आप कि हम सब
एक नक्शे में रहते हैं

हमारी पैंटों और चप्पलों से लेकर
वल्दियत और चोटों के निशान
नब्ज़ और स्मृतियाँ सहित नप चुके हैं
और नक्शे तैयार हैं
नक्शों में नदियाँ अब भी कितनी
साफ़ हैं और चमकदार
कहती हुई
'हमें तो अब यहीं अच्छा लगता है'

नक्शों में गतियाँ हैं, लक्ष्य हैं, दिशाएँ हैं
अतीत हैं, भविष्य हैं और सब तरह के रंग
क्या नहीं है
बाजरे की रोटियाँ और धनिये-पोदीने की चटनी तक
नक्शे में जा चुकी है
एक लंबे क्यू में खड़े बदहवास हम पूछते हैं
'भाई साहब,
कहीं' हम नक्शे से बाहर तो नहीं छूट जाएँगे।

(i) 'पैंट और चप्पल' प्रतीकार्थ हैं— **[1]**

(A) शरीर के अधोभाग में धारण करने वाली चीज़ों के

(B) दैनिक जीवन में काम आने वाली चीज़ों के

(C) शरीर को आराम पहुँचाने वाली चीज़ों के

(D) शरीर की सुंदरता को बढ़ाने वाली चीज़ों के

(ii) 'वल्दियत' शब्द इशारा करता है **[1]**

(A) नक्शे में खींचे गए निशान की ओर

(B) देश और समाज से मिली परंपराओं की ओर

(C) पुरखों और परंपरा से मिली विरासत की ओर

(D) वालिद से मिली सम्पत्ति और विरासत की ओर

(iii) काव्यांश में प्रयुक्त 'बाजरे की रोटियाँ और धनिये-पोदीने की चटनी' प्रतीकार्थ है— **[1]**

(A) हमारे स्वाद का

(B) ग्रामीण भोजन का

(C) पारंपरिक भोजन का

(D) सादे भोजन का

(iv) 'नब्ज़ और स्मृतियाँ नप चुके हैं'— का क्या अभिप्राय है? **[1]**

(v) 'नदियों को नक्शे में ही रहना अच्छा लगता है'—पंक्ति के माध्यम से क्या कटाक्ष किया गया है? **[2]**

(vi) 'हम नक्शे से बाहर छूट तो नहीं जाएँगे'—पंक्ति में प्रयुक्त 'हम' कौन हैं और उनकी क्या चिंता है? **[2]**

खंड-'ख' **[22]**

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए— 6

(i) मित्रों के साथ स्टेडियम में मैच देखने का आनंद

(ii) किशोरों में बढ़ती स्क्रीन लत

(iii) मेरे क्षेत्र का मुख्य चौराहा

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'रटंत' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखन के क्षेत्र में इसे बुरी लत क्यों माना जाता है?

(ii) सिनेमा, रंगमंच और रेडियो नाटक के बीच क्या-क्या समानताएँ हैं?

(iii) हिन्दी वेब पत्रकारिता की क्या स्थिति है?

(iv) विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग कैसे है?

(v) संचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के आ जाने पर भी मुद्रित माध्यमों की लोकप्रियता बने रहने के क्या कारण हैं?

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×4=8]

(i) रेडियो को श्रोताओं से संचालित माध्यम क्यों माना जाता है?

(ii) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में विशेष लेखन का कार्य विषय-विशेषज्ञों से करवाने के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(iii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों का विभाजन किस प्रकार किया जाता है?

खंड-'ग' [40]

(पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— [5×1=5]

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल, नट, चोर, चार, चेटकी।
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी॥
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी॥

(i) काव्यांश में तुलसीदास ने वर्णन किया है—

(A) अपने समय की सामाजिक विषमता का
(B) अपने समय की आर्थिक विषमता का
(C) समाज में बढ़ते अंधविश्वासों का
(D) श्रमहीन लोगों के विभिन्न प्रयासों का

(ii) पेट की आग को शांत करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कर्म नहीं किया जा रहा था?

(A) पर्वतों पर चढ़ना (B) गुणों को गढ़ना
(C) व्यापार करना (D) घने जंगलों में घूमना

(iii) बड़वाग्नि कहते हैं—

(A) समुद्र की आग को (B) जंगल की आग को
(C) पेट की आग को (D) सूर्य से प्राप्त आग को

(iv) काव्यांश के अनुसार 'पेट की आग' को किस प्रकार बुझाया जा सकता है?

(A) समुद्र के जल से (B) पसीने के जल से
(C) परिश्रम के बल से (D) राम रूपी कृपाजल से

(v) काव्यांश के आधार पर तुलसीदास के विषय में क्या धारणा बनती है? उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) राम के प्रति दृढ़ आस्था रखने वाले संत
(ii) समाज को राम भक्ति से जोड़ने वाले साधक
(iii) सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रचनाकार
(iv) सामाजिक उत्तरदायित्वों से विमुक्त वैरागी संत

विकल्प:

(A) (i) और (ii) दोनों (B) (i) और (iii) दोनों
(C) (iii) और (ii) दोनों (D) (i) और (iv) दोनों

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×3=6]

(i) 'खतरनाक परिस्थितियों का सामना कर मनुष्य और अधिक सक्षम बनता है।'—'पतंग' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(ii) कविता और फूल दोनों के महकने को समान मानते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि 'कविता का खिलना फूल क्या जाने।' 'कविता के बहाने' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं में रहने वाला पूँजीपति वर्ग किससे और क्यों भयभीत हो जाता है?

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×2=4]

(i) 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'कल्पना के रसायनों' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ii) 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं'—पंक्ति में किन दोनों को एक संग रुलाने की बात की जा रही है और क्यों? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए।

(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता में 'बात को कील की तरह ठोंकना' से क्या अभिप्राय है?

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए— [5×1=5]

भक्तिन की कंजूसी के प्राण पुंजीभूत होते-होते पर्वताकार बन चुके थे; परन्तु इस उदारता के डाइनामाइट ने क्षणभर में उन्हें उड़ा दिया। इतने थोड़े रुपये का कोई महत्त्व नहीं; परन्तु रुपए के प्रति भक्तिन का अनुराग इतना प्रख्यात हो चुका है कि मेरे लिए उसका परित्याग मेरे महत्त्व की सीमा तक पहुँचा देता है। भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना।

(i) 'भक्तिन की कंजूसी के प्राण पुंजीभूत होते-होते पर्वताकार बन चुके थे।'—पंक्ति का आशय है—

(A) पैसों के प्रति भक्तिन का प्रेम पर्वतों का रूप ले चुका था।
(B) पैसों के प्रति भक्तिन के प्रेम की गाथा दूर-दूर तक फैल चुकी थी।
(C) भक्तिन एक-एक पैसा कंजूसी से खर्च करती थी।
(D) एक-एक पैसा जमा करके भक्तिन ने मोटी पूँजी बना ली थी।

(ii) भक्तिन की किस 'उदारता के डाइनामाइट' ने महादेवी जी को आश्चर्यचकित कर दिया?

(A) गाँव में महादेवी जी के रहने का प्रबंध अपनी पूँजी से करने

(B) महादेवी जी को शहर से गाँव ले जाने और रखने के प्रबंध ने

(C) अपने घर में महादेवी जी की सभी सुविधाओं का प्रबंध करने

(D) युद्ध की पृष्ठभूमि में महादेवी जी की सुरक्षा की चिंता करने

(iii) भक्तिन को नौकर कहना क्यों असंगत था?

(A) उसका अपना स्वतंत्र अस्तित्व था।

(B) वह निजी इच्छा के अनुरूप कार्य करती थी।

(C) वह महादेवी जी के व्यक्तित्व से जुड़ी थी।

(D) वह महादेवी जी की बात सुनकर हँस देती थी।

(iv) गद्यांश में अँधेरे-उजाले, आम और गुलाब का उदाहरण किस सन्दर्भ में दिया गया है?

(A) भक्तिन और महादेवी जी के संबंधों के

(B) भक्तिन की चारित्रिक विशेषताओं के

(C) महादेवी जी की चारित्रिक विशेषताओं के

(D) संसार में प्रत्येक वस्तु के अस्तित्व के

(v) महादेवी जी द्वारा भक्तिन को अपनी सेवा से न हटाने का कारण था, अपने प्रति उसका .....।
(रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(A) सेवाभाव **(B)** अपनत्व

(C) सरल व्यवहार **(D)** निश्छल व्यवहार

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×3=6]

(i) 'बाज़ार में कभी-कभी आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती है।'—इस कथन को उदाहरण सहित 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ii) सूखे की समस्या को दूर करने के लिए गाँव वालों द्वारा 'काले मेघा पानी दे' पाठ में किए गए उपायों को आप कितना उचित मानते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(iii) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि प्राचीन लोक कलाएँ क्यों लुप्त हो रही हैं? इन्हें पुनर्जीवित रखने के लिए क्या प्रयास किए जा सकते हैं?

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×2=4]

(i) शिरीष के विषय में कालिदास और हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के विचारों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि आधुनिक समय में मनुष्य को व्यवसाय बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ जाती है? पेशा बदलने की अनुमति नहीं होने का क्या दुष्परिणाम होता है?

(iii) 'बाज़ार दर्शन' पाठ से उद्धृत कथन 'तप की राह रेगिस्तान को जाती होगी, मोक्ष की राह वह नहीं है'— का आशय स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए— [2×5=10]

(i) ''सिल्वर वैडिंग' कहानी में दो पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी का उल्लेख किया गया है, इस दूरी का क्या कारण है? इसको किस प्रकार कम किया जा सकता है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ii) 'जन्म भर खेत में काम करते रहने पर भी हाथ कुछ नहीं लगेगा'—'जूझ' पाठ से उद्धृत इस कथन के सन्दर्भ में लिखिए कि वर्तमान समय में युवा खेती-बाड़ी छोड़कर नौकरी की तरफ़ क्यों आकर्षित हो रहे हैं? इसे किस प्रकार कम किया जा सकता है?

(iii) सिन्धु घाटी सभ्यता को दूसरी सभ्यताओं से अलग खड़ा करने वाली विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Outside Delhi Set-2 2/2/2

नोट—इनके अलावा अन्य सभी प्रश्न Outside Delhi Set-1 में दिए गए हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में 'मैं शैली के प्रयोग के विषय में क्या स्थिति है?

(ii) रेडियो नाटक का लेखन करते समय विशेष सावधानी क्यों बरतनी पड़ती है?

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर लिखिए कि शब्द रूपी अंकुर समय के परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार विकसित हुए?

(ii) 'हम पूछ-पूछकर रुला देंगे उसको'—जैसी पंक्ति मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता की चरम सीमा है। स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता में 'बात की चूड़ी मर जाना' से क्या अभिप्राय है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'बाज़ार दर्शन' पाठ को पढ़ने के बाद आप अपने आपको किस तरह का क्रेता मानते हैं और क्यों?

(ii) इंदरसेना पर पानी फेंकने के विषय में 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी और लेखक के विचारों की तुलना करते हुए लिखिए कि आप किसके विचारों से सहमत हैं और क्यों?

(iii) 'पहलवान की ढोलक' कहानी व्यवस्था बदलने के साथ लोक-कला और उससे जुड़े कलाकारों के अप्रासंगिक हो जाने की कहानी है। सिद्ध कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'आना सब कुछ चाहिए, सीखना हर एक की बात ठहरी, लेकिन अपनी छोड़नी नहीं हुई।'

—यह कथन सिल्वर वैडिंग कहानी में किस संदर्भ में कहा गया? इस विषय में अपने विचार तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'जूझ' कहानी के नायक आनंदा से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'महाकुंड' सिंधु घाटी सभ्यता के अद्वितीय वास्तुकौशल का उदाहरण है। इसकी विशेषताएँ लिखिए।

Outside Delhi Set-3 2/2/3

नोट—इनके अलावा अन्य सभी प्रश्न Outside Delhi Set-1 और Set-2 में दिए गए हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन संबंधी कुछ सुझाव लिखिए।

(ii) संवादों से संबंधित वो कौन से तथ्य हैं जो रेडियो नाटक पर विशेष रूप से लागू होते हैं?

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर लिखिए कि कागज़ रूपी खेत में पैदा होने वाले कविता रूपी फल की क्या विशेषता है?

(ii) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए कि टी.वी. पर शारीरिक पीड़ा झेलने वाले व्यक्ति से जुड़ा साक्षात्कार क्या सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम कहा जा सकता है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(iii) 'बात सीधी थी पर' कविता में भाषा के चक्कर में बात का टेढ़ी फँस जाना' से क्या अभिप्राय है?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) बाज़ार के आकर्षण से बचने के लिए 'बाज़ार दर्शन' पाठ में दिए गए उपायों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आप उनसे कहाँ तक सहमत हैं।

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में मेंढक मंडली पर पानी फेंकना जीजी की दृष्टि में पानी पाने के लिए पानी के लिए बीज बोना है। क्या आप भी जीजी के इन विचारों से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(iii) 'पहलवान की ढोलक' पाठ व्यक्तिगत सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि एकदम नई व्यवस्था के आरोपित हो जाने का प्रतीक है। सिद्ध कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए— [4×2=8]

(i) 'यह काम मैं आपने पैसे से करने को कह रहा हूँ, आपके पैसे से नहीं जो आप नुक्ताचीनी करें।' 'सिल्वर वैडिंग' कहानी से उद्धृत इस कथन के संदर्भ में भूषण के चरित्र की समीक्षा कीजिए।

(ii) 'एक आदर्श अध्यापक छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।' 'जूझ' कहानी के मास्टर सौंदलगेकर के चरित्र के माध्यम से इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(iii) 'मुअनजो-दड़ो नगर-नियोजन की अनूठी मिसाल है।' उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।

❑❑

OSWAAL

उत्तरमाला

Outside Delhi Set-1 **2/2/1**

1. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या—संगीत वह अमूल्य निधि है जो मानव को ब्रह्म तक ले जाने का मार्ग है।

(ii) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—संगीत के प्रभाव को भारतीयों ने हमारी सभ्यता के प्रारम्भ में पहचाना।

(iii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—संगीत जन-जीवन के उल्लास को प्रकट करने का प्रभावी साधन है क्योंकि हमारे सभी कार्य किसी न किसी प्रकार के संगीत से आरम्भ होते हैं ।

(iv) भारतीय जनमानस में संगीत की महत्ता से सम्बंधित दो बिंदु निम्नलिखित हैं—

(क) संगीत समस्त ब्रह्माण्ड से ऐक्य का आभास है।

(ख) संगीत आनंद प्रदान करने वाली आध्यात्मिक साधना है।

(v) संगीत जीवन-पर्यंत हमारे साथ बना रहता है क्योंकि नामकरण, कर्णच्छेदन, विवाह और चक्की चलने में संगीत हमारे साथ बना रहता है।

(vi) रचनात्मक कार्यों में संगीत की भूमिका को स्पष्ट करने वाले दो बिंदु निम्नलिखित हैं—

(क) संगीत रचनात्मक कार्यों में अग्रसर होने के लिए स्फूर्ति और प्रेरणा प्रदान करता है।

(ख) संगीत सामूहिक शक्ति देता है और कार्यों को करने योग्य बनाता है।

(vii) गाँवों में संगीत की लोकप्रियता को प्रकट करने वाले दो उदाहरण निम्नलिखित हैं—

(क) गाँवों में संगीत के बिना कोई तीज-त्यौहार नहीं होता है।

(ख) गाँवों में संगीत घर में ही नहीं बल्कि खेत-चौपाल में भी चलता रहता है।

2. (i) विकल्प (B) सही है।

व्याख्या—पैंट और चप्पल हमारे दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं की प्रतीकार्थ हैं।

(ii) विकल्प (D) सही है।

व्याख्या—वल्दियत शब्द वालिद से मिली संपत्ति और विरासत की ओर इशारा करता है।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या—बाजरे की रोटियाँ और धनिये-पोदीने की चटनी हमारे पारम्परिक भोजन की प्रतीकार्थ हैं।

(iv) 'नब्ज और स्मृतियाँ नप चुके हैं' का अभिप्राय है - वर्तमान और अतीत का लेखा-जोखा पूरा हो जाना।

(v) 'नदियों को नक़्शे में ही रहना अच्छा लगता है' पंक्ति के माध्यम से निरंतर दूषित होती नदियों की वर्तमान स्थिति पर कटाक्ष किया गया है।

(vi) 'हम नक़्शे से बाहर छूट तो नहीं जाएँगे' पंक्ति में प्रयुक्त 'हम' आम जनमानस है और उसकी चिंता वर्तमान व्यवस्था से बाहर छूट जाने की है।

3. (i) मित्रों के साथ स्टेडियम में मैच देखने का आनंद

खेल का असली मज़ा तब आता है जब इसे स्टेडियम में दोस्तों के साथ देखा जाए। टीवी पर मैच देखने का अनुभव जितना भी अच्छा हो, स्टेडियम का रोमांच उससे कहीं अधिक होता है।

जब हम मित्रों के साथ स्टेडियम पहुँचते हैं, तो वहाँ का माहौल हमें ऊर्जा से भर देता है। चारों ओर दर्शकों की उत्साही आवाज़, झंडे लहराते प्रशंसक, और हर चौके-छक्के पर गूँज़ती तालियों की गड़गड़ाहट यह सब मिलकर माहौल को और भी रोमांचक बना देते हैं। हम अपनी पसंदीदा टीम के समर्थन में नारे लगाते हैं, उनके हर अच्छे प्रदर्शन पर झूम उठते हैं, और कभी-कभी हँसी-मज़ाक में एक-दूसरे की टीम को चिढ़ाते भी हैं।

मैच के दौरान आइसक्रीम खाना, तस्वीरें लेना और दोस्तों के साथ हँसी-ठिठोली करना इस अनुभव को यादगार बना देता है। जीत की खुशी में झूमना या हार पर एक-दूसरे को दिलासा देना-हर लम्हा खास होता है। सच में, दोस्तों के साथ स्टेडियम में मैच देखना जीवन के सबसे शानदार अनुभवों में से एक होता है।

(ii) किशोरों में बढ़ती स्क्रीन लत

आज की डिजिटल दुनिया में किशोरों में स्क्रीन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप और वीडियो गेम्स के प्रति बढ़ती निर्भरता उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। पढ़ाई, खेलकूद और सामाजिक बातचीत से दूर रहकर वे एक आभासी दुनिया में अधिक समय बिताने लगे हैं।

स्क्रीन की लत से न केवल आँखों और दिमाग पर असर पड़ता है, बल्कि यह एकाग्रता, स्मरण शक्ति और सामाजिक कौशल को भी कमज़ोर कर देती है। इसके अलावा, अनियमित दिनचर्या और कम शारीरिक गतिविधि के कारण मोटापा, तनाव और नींद की समस्याएँ भी बढ़ रही हैं।

इस समस्या का समाधान संतुलित डिजिटल उपयोग में छिपा है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करें और उन्हें किताबें पढ़ने, खेलों में भाग लेने और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। तभी किशोर एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकेंगे।

(iii) **मेरे क्षेत्र का मुख्य चौराहा**

मेरे क्षेत्र का मुख्य चौराहा न केवल यातायात का केंद्र है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, व्यापार और आपसी मेलजोल का प्रतीक भी है। यह चौराहा दिनभर चहल-पहल से भरा रहता है। यहाँ सड़क किनारे दुकानों की कतारें हैं, जहाँ लोग चाय, नाश्ता, फल और किताबें खरीदते हैं।

सुबह-सुबह यहाँ मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग मिलते हैं, तो शाम को युवाओं की टोलियाँ हँसी-मज़ाक करती दिखती हैं। यह चौराहा त्योहारों के समय रंग-बिरंगी लाइटों से सज जाता है, जिससे इसकी खूबसूरती और बढ़ जाती है।

यातायात के लिहाज़ से भी यह जगह बहुत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह कई प्रमुख सड़कों को जोड़ता है। ट्रैफिक पुलिस की मुस्तैदी से यहाँ व्यवस्था बनी रहती है।

इस चौराहे पर खड़ा होकर मैं हमेशा अपने क्षेत्र की जीवंतता को महसूस करता हूँ। यह सिर्फ़ एक रास्ता नहीं, बल्कि हमारे शहर की धड़कन है।

4. (i) 'रटंत' का अर्थ है बिना समझे किसी विषयवस्तु को शब्दशः याद कर लेना। लेखन के क्षेत्र में इसे बुरी लत इसलिए माना जाता है क्योंकि यह रचनात्मकता और मौलिकता को बाधित करता है। रटकर लिखने से विचारों में नवीनता नहीं आती, जिससे लेखन नीरस और प्रभावहीन हो जाता है।

(ii) सिनेमा, रंगमंच और रेडियो नाटक तीनों ही मनोरंजन और अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम हैं। ये सभी कथा, संवाद, अभिनय और चरित्र निर्माण पर आधारित होते हैं। सिनेमा व रंगमंच में दृश्य प्रस्तुतियाँ होती हैं, जबकि रेडियो नाटक में ध्वनि और संवाद प्रमुख होते हैं। ये समाज को प्रभावित करने और सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने में सहायक होते हैं।

(iii) हिंदी वेब पत्रकारिता तेजी से विकसित हो रही है और डिजिटल मीडिया में इसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण होती जा रही है। इंटरनेट और मोबाइल उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण हिंदी समाचार पोर्टलों, ब्लॉग्स और यूट्यूब चैनलों की लोकप्रियता बढ़ी है। हालाँकि, फेक न्यूज़ और विश्वसनीयता की चुनौतियाँ भी बनी हुई हैं।

(iv) विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है क्योंकि इसमें विषय के अनुरूप सटीक, प्रभावशाली और विशिष्ट शब्दावली का प्रयोग किया जाता है। यह लेखन शैली विषय की गंभीरता, तकनीकीता या साहित्यिकता के अनुसार बदलती है। इसमें सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक और रोचक प्रस्तुतिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जबकि सामान्य लेखन में सरल, सहज और व्यापक रूप से समझी जाने वाली भाषा का उपयोग किया जाता है।

(v) इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों के व्यापक प्रसार के बावजूद मुद्रित माध्यमों की लोकप्रियता बनी हुई है। इसका मुख्य कारण उनकी विश्वसनीयता, स्थायित्व और सुविधा है। मुद्रित सामग्री बार-बार पढ़ी जा सकती है, संदर्भ के लिए सुरक्षित रखी जा सकती है और बिना तकनीकी सहायता के उपयोग की जा सकती है। साथ ही, किताबें, समाचार पत्र और पत्रिकाएँ ज्ञानवर्धन और मनोरंजन का महत्त्वपूर्ण स्रोत बनी हुई हैं।

5. (i) रेडियो को श्रोताओं से संचालित माध्यम इसलिए माना जाता है क्योंकि इसकी पूरी उपयोगिता और प्रभाव श्रोताओं पर निर्भर करती है। यह एकतरफा संचार माध्यम होते हुए भी श्रोताओं की रुचि, आवश्यकता और प्रतिक्रिया के अनुसार कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। रेडियो चैनल श्रोताओं की पसंद के अनुसार संगीत, समाचार, मनोरंजन, शिक्षा और विभिन्न चर्चाएँ प्रसारित करते हैं। इसके अलावा, श्रोता फ़ोन कॉल, पत्र, एसएमएस या सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी राय और सुझाव देकर कार्यक्रमों को प्रभावित कर सकते हैं। इस प्रकार, रेडियो श्रोताओं की सक्रिय भागीदारी से संचालित होने वाला एक प्रभावी जनसंचार माध्यम है।

(ii) समाचार पत्र-पत्रिकाओं में विशेष लेखन का कार्य विषय विशेषज्ञों से करवाने के कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। विशेषज्ञों के पास अपने क्षेत्र का गहन ज्ञान और अनुभव होता है, जिससे वे विषय को तथ्यपरक, गहन विश्लेषणात्मक और विश्वसनीय तरीक़े से प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे पाठकों को प्रामाणिक और सटीक जानकारी प्राप्त होती है। इसके अलावा, विषय विशेषज्ञ समसामयिक घटनाओं और नवीनतम शोधों को बेहतर समझते हैं, जिससे लेख अधिक प्रासंगिक और जानकारीपूर्ण बनते हैं। उनकी लेखन शैली भी तार्किक और प्रभावी होती है, जिससे पाठकों में जिज्ञासा और ज्ञानवर्धन शक्ति का विकास होता है।

(iii) किसी कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्यों का विभाजन मुख्य रूप से कहानी की घटनाओं, स्थान परिवर्तन और पात्रों के संवाद के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक दृश्य एक विशिष्ट घटना या स्थिति को दर्शाता है, जिससे नाटक की निरंतरता बनी रहती है। आमतौर पर, कहानी के प्रमुख मोड़, संघर्ष, चरमोत्कर्ष और समाधान को ध्यान में रखकर दृश्यों का निर्धारण किया जाता है। स्थान परिवर्तन होने पर नया दृश्य प्रस्तुत किया जाता है, जिससे नाटक की गतिशीलता बनी रहती है। साथ ही, दृश्य विभाजन इस प्रकार किया जाता है कि दर्शकों की रुचि बनी रहे और कथानक सहजता से आगे बढ़े।

6. (i) **विकल्प B) सही है।**

व्याख्या—प्रस्तुत काव्यांश में गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने समय की आर्थिक विषमता का वर्णन किया है।

(ii) **विकल्प (C) सही है।**

व्याख्या—प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर पेट की आग को शांत करने के लिए व्यापार करने की बात नहीं कही गई है।

(iii) **विकल्प (A) सही है।**

व्याख्या—समुद्र की आग को बड़वाग्नि कहते हैं।

(iv) **विकल्प (D) सही है।**

व्याख्या—काव्यांश के अनुसार राम रूपी कृपा जल से ही पेट की आग को बुझाया जा सकता है।

(v) विकल्प (B) सही है।

7. (i) आलोक धन्वा की कविता 'पतंग' में खतरनाक परिस्थितियाँ व्यक्ति को अधिक सक्षम और सशक्त बनाती हैं। कविता में पतंग केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि संघर्ष, स्वतंत्रता और उड़ान का प्रतीक है। पतंग उड़ाने की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ–तेज़ हवा, कटने का डर मनुष्य के जीवन संघर्षों का प्रतिबिंब हैं। जैसे–जैसे पतंग कठिनाइयों का सामना करती है, वैसे–वैसे वह और ऊँचाइयाँ छूती है। इसी प्रकार, मनुष्य भी संघर्षों से जूझकर अधिक दृढ़, आत्मनिर्भर और सक्षम बनता है, जो कविता का मूल संदेश है।

(ii) कवि कविता और फूल दोनों के महकने को समान मानते हुए भी यह कहते हैं कि **'कविता का खिलना फूल क्या जाने'** क्योंकि फूल का खिलना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जबकि कविता का सृजन मानवीय भावनाओं, संवेदनाओं और अनुभवों से जुड़ा होता है। कविता केवल शब्दों का समूह नहीं होती, बल्कि वह कवि के हृदय की गहराइयों से निकलकर समाज को नई दिशा देने का कार्य करती है। फूल केवल अपनी सुगंध से वातावरण को महकाता है, परंतु कविता पाठकों के हृदय को स्पर्श करती है और उनके भीतर संवेदनाओं को जागृत करती है।

(iii) बादल राग कविता के अनुसार ऊँची–ऊँची अट्टालिकाओं में रहने वाला पूँजीपति वर्ग मेहनतकश वर्ग और प्रकृति की शक्तियों से भयभीत रहता है। वे इस डर में जीते हैं कि कहीं उनकी अपार संपत्ति और वैभव को गरीबों का आक्रोश न निगल जाए। बादलों की गरज और बारिश की तेज़ धाराएँ उनके मन में यह भय उत्पन्न करती हैं कि प्राकृतिक आपदाएँ उनकी समृद्धि को नष्ट कर सकती हैं। इसी तरह, शोषित वर्ग के संघर्ष और विद्रोह की संभावना भी उन्हें असुरक्षित महसूस कराती है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनका वैभव असमानता और शोषण पर टिका है।

8. (i) 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'कल्पना के रसायनों' से कवि का तात्पर्य उसकी सृजनात्मक सोच और कल्पनाशक्ति से है, जिससे वह अपने छोटे से खेत को एक सुंदर, उन्नत और समृद्ध स्थान के रूप में देखता है। यह खेत केवल भूमि का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि उसकी आशाओं, सपनों और परिश्रम का प्रतीक है। कवि की कल्पना के रसायन इस साधारण खेत को असाधारण बना देते हैं, जिससे उसमें खुशहाली और उर्वरता की छवि उभरती है।

(ii) कविता **'कैमरे में बंद अपाहिज'** की पंक्ति 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं' में 'दर्शक' और 'पीड़ित व्यक्ति' (अपाहिज) की बात की गई है। यह पंक्ति दर्शाती है कि मीडिया और समाज किसी भी दर्दनाक घटना को संवेदना से अधिक एक नाटकीय प्रस्तुति की तरह दिखाते हैं। कैमरे में बंद अपाहिज के दु:ख को दिखाकर न केवल उसे बल्कि दर्शकों को भी भावनात्मक रूप से विचलित किया जाता है, जिससे उनकी संवेदनाएँ मात्र एक दिखावा बनकर रह जाती हैं।

(iii) कवि के अनुसार, **'बात को कील की तरह ठोंकना'** का अर्थ है किसी विचार या तथ्य को इतने दृढ़ और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना कि वह श्रोता या पाठक के मन में गहराई से बैठ जाए। यह न केवल स्पष्टता को दर्शाता है, बल्कि इस बात पर भी ज़ोर देता है कि सत्य को झूठ और भ्रम से दबाया नहीं जाना चाहिए। यहाँ 'कील ठोंकने' की उपमा सत्य को मज़बूती से स्थापित करने और उसे नकारने की असंभवता को व्यक्त करती है।

9. (i) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या— पैसों के प्रति भक्तिन का लगाव पर्वत की तरह बहुत बड़ा हो चुका था।

(ii) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या— भक्तिन ने महादेवी जी के लिए गाँव में रहने की सारी व्यवस्था अपने पैसे से करने के लिए कहा इसी कारण महादेवी जी आश्चर्यचकित हो गईं।

(iii) विकल्प (C) सही है।

व्याख्या— भक्तिन महादेवी जी के व्यक्तित्व से जुड़ गई थी इसीलिए उसे नौकर कहना असंगत था।

(iv) विकल्प (A) सही है।

(v) विकल्प (A) सही है।

व्याख्या— महादेवी जी भक्तिन के सेवा भाव के कारण ही उसे अपनी सेवा से हटा नहीं पा रही थीं।

10. (i) बाज़ार में आवश्यकता कभी–कभी शोषण का रूप ले लेती है, क्योंकि व्यापारी उपभोक्ताओं की मजबूरी का लाभ उठाकर वस्तुओं के दाम बढ़ा देते हैं। **'बाज़ार–दर्शन'** पाठ में लेखक ने बाज़ार की चालाकी को उजागर किया है, जहाँ उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं के कारण अनावश्यक वस्तुएँ भी खरीद लेते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति सिर्फ़ टूथपेस्ट खरीदने जाता है, लेकिन आकर्षक विज्ञापनों और ऑफर्स के कारण कई अन्य वस्तुएँ भी खरीद लेता है, जिससे उसका आर्थिक शोषण होता है।

(ii) गाँव वालों द्वारा 'काले मेघा पानी दे' पाठ में सूखे की समस्या से निपटने के लिए किए गए उपाय पूरी तरह उचित और व्यावहारिक थे। उन्होंने परंपरागत जल–संरक्षण विधियों, जैसे तालाब खोदना, कुएँ गहरे करना और वर्षा जल संचयन को अपनाया। साथ ही, उन्होंने सामूहिक प्रयासों से पेड़ लगाने और जल की बर्बादी रोकने पर ज़ोर दिया। ये उपाय न केवल तत्काल राहत देते हैं बल्कि भविष्य में भी जल संकट को कम करने में सहायक होते हैं।

(iii) प्राचीन लोक कलाएँ आधुनिकता, बदलती जीवनशैली, तकनीकी विकास और लोगों की घटती रुचि के कारण लुप्त हो रही हैं। पारंपरिक कलाकारों को उचित सम्मान और आजीविका न मिलने से नई पीढ़ी इन कलाओं से दूर होती जा रही है। इन्हें पुनर्जीवित रखने के लिए सरकार और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। लोक कलाकारों को प्रोत्साहन, आर्थिक सहयोग और मंच उपलब्ध कराना चाहिए। विद्यालयों

में लोक कलाओं की शिक्षा दी जानी चाहिए तथा डिजिटल माध्यमों से इनका प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

11. (i) कालिदास ने शिरीष को कोमलता, सौंदर्य और प्रेम का प्रतीक माना है, जिससे उसकी नाज़ुकता और मोहकता झलकती है। उन्होंने इसे कोमल हृदय का द्योतक बताया है। वहीं, हजारीप्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को सहनशीलता, सरलता और गंभीरता का प्रतीक मानते हुए इसकी विनम्रता और धैर्य पर ज़ोर दिया है। उनके अनुसार, शिरीष भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता और सहनशीलता का परिचायक है।

(ii) आधुनिक समय में तकनीकी प्रगति, आर्थिक परिवर्तनों और नए अवसरों के कारण मनुष्य को व्यवसाय बदलने की आवश्यकता पड़ती है। यदि पेशा बदलने की अनुमति न हो, तो व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता और समाज की प्रगति बाधित होती है। इससे आर्थिक ठहराव, असंतोष और सामाजिक असमानता बढ़ सकती है। मनुष्य की योग्यता और रुचि के अनुसार व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता आवश्यक है।

(iii) इस कथन का आशय यह है कि कठोर तपस्या और कष्ट उठाने से मोक्ष प्राप्ति की गारंटी नहीं होती। रेगिस्तान जैसी कठिनाइयों से गुज़रना केवल आत्मसंघर्ष हो सकता है, परंतु सच्चा मोक्ष प्रेम, करुणा और संतुलित जीवन से प्राप्त होता है। आध्यात्मिकता त्याग में नहीं, बल्कि संतुलित और सार्थक जीवन जीने में निहित है, जहाँ व्यक्ति आत्मा की शांति और सच्चे आनंद की अनुभूति कर सके।

12. (i) **'सिल्वर वैडिंग'** कहानी में दो पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी का मुख्य कारण उनके बदलते जीवन मूल्य, सोचने के तरीक़ों और प्राथमिकताओं में अंतर है। माता-पिता अपने पारंपरिक विचारों और जीवनशैली से जुड़े रहते हैं, जबकि नई पीढ़ी आधुनिकता, स्वतंत्रता और अपने व्यक्तित्व के विकास को अधिक महत्त्व देती है। संचार की कमी, आपसी अपेक्षाओं का टकराव और पीढ़ियों के दृष्टिकोण में असमानता भी इस दूरी को बढ़ाती है।

इस दूरी को कम करने के लिए दोनों पीढ़ियों को एक-दूसरे की भावनाओं, ज़रूरतों और दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करना चाहिए। खुला संवाद, परस्पर सम्मान और सहिष्णुता से संबंध मधुर बनाए जा सकते हैं। यदि माता-पिता बच्चों की स्वतंत्रता को स्वीकार करें और बच्चे उनके अनुभवों का सम्मान करें, तो यह दूरी कम हो सकती है।

(ii) वर्तमान समय में युवा खेती-बाड़ी छोड़कर नौकरियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि खेती अब भी आर्थिक रूप से अस्थिर मानी जाती है। जलवायु परिवर्तन, महँगे बीज और खाद, बिचौलियों का शोषण, तथा उचित दाम न मिलने के कारण किसानों को लाभ नहीं हो पाता। इसके विपरीत, नौकरी में स्थिर वेतन, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुविधाएँ अधिक होती हैं, जिससे युवा कृषि की जगह अन्य पेशों की ओर बढ़ रहे हैं।

इस प्रवृत्ति को कम करने के लिए कृषि को अधिक लाभकारी और आधुनिक बनाना आवश्यक है। सरकार को किसानों के लिए बेहतर योजनाएँ बनानी चाहिए, जिससे उन्हें उचित दाम मिले। वैज्ञानिक तकनीकों, जैविक खेती और सिंचाई के आधुनिक साधनों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। युवाओं को कृषि में नवाचार और उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

(iii) **सिंधु घाटी सभ्यता** अपनी उन्नत नगर योजना, विकसित व्यापार व्यवस्था और समृद्ध संस्कृति के कारण अन्य सभ्यताओं से अलग मानी जाती है। इसकी मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. **उन्नत नगर योजना—** सड़कों का ग्रिड पैटर्न, पक्की ईंटों के मकान, जल निकासी प्रणाली और सुनियोजित गलियाँ इसकी विशेषता थीं।
2. **सफाई व्यवस्था—** इस सभ्यता की जल निकासी प्रणाली अद्वितीय थी, जो अन्य समकालीन सभ्यताओं में नहीं देखी जाती।
3. **व्यापार और अर्थव्यवस्था—** मेसोपोटामिया, फारस और मध्य एशिया के साथ व्यापार संबंध थे।
4. **लेखन प्रणाली—** अद्वितीय चित्रलिपि (हालाँकि अब तक पूर्णत: पढ़ी नहीं जा सकी)।
5. **धार्मिक और सामाजिक—** जीवन मातृदेवी की पूजा, पशुपति की मूर्तियाँ और कृषि प्रधान समाज।

इसकी वैज्ञानिक सोच और सुव्यवस्थित ढाँचा इसे अन्य सभ्यताओं से अलग खड़ा करता है।

Outside Delhi Set-2 2/2/2

3. (i) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में 'मैं' शैली का प्रयोग लेखक के व्यक्तिगत दृष्टिकोण और अनुभव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में सहायक होता है। यह शैली विचारों की मौलिकता, भावनात्मकता और आत्मीयता को व्यक्त करती है, जिससे पाठकों से गहरा संबंध स्थापित किया जा सकता है।

(ii) रेडियो नाटक लेखन में विशेष सावधानी इसलिए बरतनी पड़ती है क्योंकि इसमें केवल ध्वनि और संवाद के माध्यम से भावनाएँ, दृश्य और घटनाएँ व्यक्त करनी होती हैं। दृश्य संकेत न होने के कारण संवाद स्पष्ट, प्रभावी और रोचक होने चाहिए। साथ ही, ध्वनि प्रभाव (साउंड इफेक्ट) और पृष्ठभूमि संगीत का सही प्रयोग आवश्यक होता है।

6. (i) **'छोटा मेरा खेत'** कविता में कवि ने शब्दों को अंकुर की तरह विकसित होते दिखाया है। समय के साथ ये अंकुर विचारों, संवेदनाओं और अनुभवों के रूप में फैलते हैं। जैसे खेत में बीज उगकर विशाल वृक्ष बनते हैं, वैसे ही शब्द विचारधारा का रूप लेकर समाज को नई दिशा देते हैं और सृजनात्मकता को पोषित करते हैं।

(ii) यह पंक्ति मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता को उजागर करती है, जहाँ वे सनसनीखेज खबरें बनाने के लिए पीड़ितों की भावनाओं की अनदेखी करते हैं। त्रासदी झेल रहे व्यक्ति से बार-बार सवाल पूछकर उसकी पीड़ा बढ़ाना पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है, जो संवेदनहीनता की चरम सीमा को दर्शाता है।

(iii) **'बात की चूड़ी मर जाना'** से अभिप्राय है बात का प्रभाव समाप्त हो जाना । जिस प्रकार जोर जबरदस्ती से पेंच की चूड़ी मर जाती है अर्थात् ख़राब हो जाती है ,उसी प्रकार भाषा तरोड़ - मरोड़ कर ,बनावटी ढंग से रखने पर वह अधिक कस जाती है और बात की चूड़ी मर जाती है।

9. (i) **'बाज़ार दर्शन'** पाठ पढ़ने के बाद मैं अपने आपको एक चिंतनशील और सतर्क क्रेता मानता हूँ। मैं खरीदारी करते समय वस्तुओं की गुणवत्ता, उनकी उपयोगिता और मूल्य की तुलना पर ध्यान देता हूँ। विज्ञापनों और दिखावे से प्रभावित होने के बजाए, मैं अपनी आवश्यकताओं के अनुसार विवेकपूर्ण निर्णय लेना पसंद करता हूँ। बाज़ार लेखक ने जिस उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की ओर संकेत किया है, उससे बचते हुए मैं समझदारी से खरीदारी करने का प्रयास करता हूँ।

(ii) **'काले मेघा पानी दे'** पाठ में इंदर सेना के बारे में लेखक और जीजी की राय में बहुत अंतर था। बाज़ार लेखक ने इंदर सेना के कार्य-कलापों को अंधविश्वास कहा है। वह इंदर सेना पर फेंके जाने वाले पानी को पानी की बरबादी मानता हैं। परन्तु जीजी इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराती हैं। वह कहती हैं कि यह पानी की बजाए बरबादी नहीं है। यह अर्घ्य है। मनुष्य जो पाना चाहता है, उसे पहले देना पड़ता है। इसी कारण दान को बड़ा माना जाता है। दूसरों के कल्याण के लिए दिया गया धन ही फल देता है। हम जीजी के विचारों से सहमत हैं। लेखक भी जीजी के विचारों का विरोध नहीं कर पाता है।

(iii) **'पहलवान की ढोलक'** कहानी दिखाती है कि कैसे सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लोक-कला और उससे जुड़े कलाकारों को अप्रासंगिक बना देते हैं। पहलवान की ढोलक केवल एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान और जीविका का प्रतीक थी। नई व्यवस्था में जब लोगों की रुचियाँ बदल गईं, तो उसकी कला का मूल्य घट गया। यह कहानी परंपरागत लोक-कला के ह्रास और कलाकारों की दुर्दशा को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करती है।

12. (i) मनोहर श्याम जोशी की **'सिल्वर वैडिंग'** कहानी में यह कथन भारतीय और पाश्चात्य संस्कृति के टकराव को दर्शाने के संदर्भ में कहा गया है। इसमें लेखक यह इंगित करते हैं कि हमें नई चीज़ें सीखनी चाहिए और बदलते समय के साथ चलना चाहिए, लेकिन अपनी मूल पहचान और संस्कारों को नहीं छोड़ना चाहिए।

कहानी में पात्र पश्चिमी जीवनशैली को अपनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन भारतीय पारिवारिक मूल्यों को पूरी तरह छोड़ नहीं पाते। यह कथन इस विचार को मज़बूत करता है कि आधुनिकता के साथ संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। किसी भी नई चीज़ को अपनाते समय अपनी जड़ों को न भूलना ही सही बुद्धिमत्ता है। यह विचार भारतीय समाज में प्राचीन और आधुनिक संस्कृतियों के सामंजस्य की आवश्यकता को दर्शाता है।

(ii) **'जूझ'** कहानी के नायक आनंदा से हमें संघर्ष, धैर्य और आत्मसम्मान की प्रेरणा मिलती है। आनंदा एक मेहनती, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान से भरपूर व्यक्ति है, जो कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अपने आदर्शों से समझौता नहीं करता। वह जीवन में आने वाली बाधाओं के सामने झुकने के बजाय उनका साहसपूर्वक सामना करता है। कहानी हमें सिखाती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी प्रतिकूल हों, आत्मविश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ा जा सकता है। आनंदा का संघर्ष यह दर्शाता है कि सफलता केवल बाहरी संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि व्यक्ति की आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास पर निर्भर करती है। उसकी जिजीविषा हमें यह सीख देती है कि सच्ची जीत वही है, जो संघर्ष कर अर्जित की जाए।

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता के अद्वितीय वास्तुकौशल का उत्कृष्ट उदाहरण 'महाकुंड' मोहन-जोदड़ो में स्थित एक विशाल जलाशय है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- **संरचना—** यह पक्की ईंटों से निर्मित एक विशाल जलकुंड है, जिसकी लंबाई लगभग 12 मीटर, चौड़ाई 7 मीटर और गहराई 2.5 मीटर है।
- **जलनिकासी प्रणाली—** इसमें जल प्रवेश और निकासी के लिए उत्तम व्यवस्था थी, जिससे जल स्वच्छ और सुरक्षित रहता था।
- **सीढ़ियाँ—** महाकुंड में उत्तर और दक्षिण दिशा में ईंटों से बनी सीढ़ियाँ थीं, जिससे लोग आसानी से जल में उतर सकते थे।
- **चारों ओर कक्ष—** इसके चारों ओर कई कमरे बने थे, जो संभवत: धार्मिक या सामाजिक अनुष्ठानों के लिए उपयोग होते थे।

यह संरचना सिंधु सभ्यता के जल प्रबंधन और नगर नियोजन की उच्चतम तकनीकी क्षमताओं को दर्शाती है।

Outside Delhi Set-3 **2/2/3**

4. (i) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के लिए व्यापक अध्ययन करें, विभिन्न स्रोतों से जानकारी जुटाएँ, रचनात्मक सोच विकसित करें और नवीन दृष्टिकोण अपनाएँ। कल्पनाशक्ति को बढ़ाने के लिए प्रयोगधर्मिता अपनाएँ, विचारों को स्पष्ट और रोचक ढंग से प्रस्तुत करें, और पाठकों की रुचि बनाए रखने के लिए उदाहरणों व संदर्भों का उपयोग करें।

(ii) रेडियो नाटक में संवाद ही मुख्य माध्यम होता है, क्योंकि दृश्य उपस्थित नहीं होते। इसके लिए संवादों को प्रभावशाली, स्पष्ट और संक्षिप्त होना आवश्यक है। संवादों में ध्वनि प्रभाव, विराम, उतार-चढ़ाव और भावनात्मक गहराई विशेष रूप से जरूरी होती है, ताकि श्रोता कल्पना कर सकें और कथानक से जुड़ सकें।

6. (i) **'छोटा मेरा खेत'** कविता में कागज़ रूपी खेत में उगने वाले कविता रूपी फल की विशेषता यह है कि वे विचारों से भरपूर, भावनाओं से ओतप्रोत और मन को आनंद देने वाले होते हैं। ये फल केवल कवि के नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए उपयोगी होते हैं, जो ज्ञान, संवेदना और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

(ii) **'कैमरे में बंद अपाहिज'** कविता के आधार पर, टी.वी. पर पीड़ित व्यक्ति का साक्षात्कार सामाजिक उद्देश्य से युक्त नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह संवेदनशीलता के बज़ाए मनोरंजन और सनसनीखेज प्रस्तुति बन जाता है। पीड़ा को सहानुभूति से समझने के बजाए, इसे दृश्य सामग्री बनाना नैतिक रूप से अनुचित है।

(iii) इस पंक्ति का अभिप्राय है कि स्पष्ट और सरल बात भी भाषा की जटिलताओं में उलझकर अर्थ का अनर्थ कर सकती है। कभी-कभी शब्दों की व्याख्या या उनके प्रयोग से मूल भाव बदल जाता है, जिससे सीधी बात भी भ्रमित या विकृत हो जाती है और गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है।

9. (i) **'बाज़ार दर्शन'** पाठ में बाज़ार के आकर्षण से बचने के लिए आत्मसंयम, विवेकपूर्ण उपभोग, आवश्यकता और इच्छा में अंतर समझने तथा दिखावे से दूर रहने के उपाय बताए गए हैं। मैं इन विचारों से सहमत हूँ क्योंकि अंधाधुंध उपभोग व्यक्ति को आर्थिक संकट में डाल सकता है और यह भौतिकवाद को बढ़ावा देता है। यदि हम केवल आवश्यक वस्तुओं पर ध्यान दें और लोभ से बचें, तो अनावश्यक खर्च और उपभोक्तावाद से बच सकते हैं।

(ii) हाँ, मैं जीजी के विचारों से सहमत हूँ क्योंकि उनका यह कथन प्रतीकात्मक अर्थ रखता है। जैसे बीज बोने पर फ़सल उगती है, वैसे ही मेंढकों पर पानी डालने से उनकी टर्राहट बढ़ती है, जो वर्षा के आगमन का संकेत मानी जाती है। यह एक लोकविश्वास है कि मेंढकों की टर्राहट से इंद्र देव प्रसन्न होते हैं और बारिश होती है। जीजी का यह विचार प्रकृति और लोकजीवन के गहरे संबंध को दर्शाता है।

(iii) **'पहलवान की ढोलक'** पाठ में पहलवान की सत्ता उसके ढोलक की ध्वनि से जुड़ी थी, लेकिन जब नई व्यवस्था आई, तो उसकी शक्ति समाप्त हो गई। यह पाठ केवल किसी व्यक्ति विशेष के सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं है, बल्कि यह पाठ यह दर्शाता है कि पुरानी व्यवस्था कैसे समाप्त होती है और एक नई व्यवस्था कैसे थोपी जाती है। पहलवान की पराजय दरअसल एक पूरी परंपरागत सत्ता संरचना के विघटन और नई व्यवस्था के आरोपण का प्रतीक है।

12. (i) भूषण का यह कथन उसकी आत्मनिर्भरता, दृढ़ता और स्वाभिमान को दर्शाता है। **'सिल्वर वैडिंग'** कहानी में भूषण एक आत्मसम्मान से भरपूर व्यक्ति है, जो अपने निर्णय स्वयं लेना चाहता है और उसमें किसी की दख़ल अंदाजी पसंद नहीं करता। वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र है और अपने खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहता। यह कथन विशेष रूप से उसकी पत्नी के प्रति उसके मनोभाव को भी दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह अपनी इच्छाओं को लेकर अडिग है। हालाँकि, उसके इस रवैये में एक प्रकार की हठधर्मिता और अहंकार भी झलकता है, जिससे उसकी संवेदनहीनता और रूखा व्यवहार सामने आता है। संक्षेप में, भूषण एक स्वाभिमानी, स्वतंत्र लेकिन कहीं-कहीं हठी और आत्मकेंद्रित व्यक्ति है।

(ii) **'जूझ'** कहानी के मास्टर सौंदलगेकर एक आदर्श अध्यापक के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं, जो न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे अनुशासनप्रिय, कर्त्तव्यनिष्ठ और ईमानदार हैं। उनके पढ़ाने का तरीक़ा प्रभावशाली है, जिससे वे छात्रों के मन में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करते हैं।

कहानी में वे छात्र दशरथ को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हैं और उसे संघर्ष करने की सीख देते हैं। वे केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी दिखाते हैं। मास्टर सौंदलगेकर का धैर्य, समर्पण और स्नेहपूर्ण व्यवहार उन्हें एक सच्चा गुरु बनाता है, जो छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।

(iii) मुअनजो-दड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो अपने सुव्यवस्थित नगर-नियोजन के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर प्रमुख रूप से सुनियोजित सड़कों, जल निकासी प्रणाली और सुव्यवस्थित इमारतों के कारण अनूठा था।

इस नगर की सड़कों को ग्रिड प्रणाली में बनाया गया था, जो एक विकसित नगर-योजना को दर्शाता है। यहाँ की जल निकासी प्रणाली अत्यधिक उन्नत थी, जिसमें घरों से गंदा पानी सीधे नालियों में जाता था। विशाल स्नानागार (महान् स्नानागार) और अन्नागार इसकी समृद्ध सामाजिक व्यवस्था को दर्शाते हैं।

इतनी सुनियोजित संरचना यह प्रमाणित करती है कि मुअनजो-दड़ो नगर-नियोजन की अनूठी मिसाल था, जो प्राचीन भारतीय सभ्यता की उन्नत सोच और समृद्ध जीवनशैली को दर्शाता है।

❑❑